My Social Responsibility (MSR)

The University recognizes its social and national responsibilities by including in the all stakeholders of the community *viz;* students, faculty, farmers, non-teaching staff and other social persons. Just like the CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR), MY SOCIAL RESPONSIBILITY (MSR) is a mission with a motto to serve the downtrodden people and develop sensitivity towards poorest of the poor of the society. The uniqueness of MSR is to contribute in community services through organization of various programmes like

- Organization of blood donation camp in University campus.
- Distribution of educational and stationary items as charity and organization of events like Nukkar Natak, Street show etc.
- During the period of COVID-19 pandemic, N-95 mask, sanitizer and food packets were distributed to down trodden and migrant workers by the university administration.
- Taking a leaf from slogan 'Saving life, changing life, university has very recently identified Anooppur village in Kanpur dehat with motto and zeal to transform this as bio-fortified village. Accordingly, the varieties of crop plant, which are high in protein, zinc or iron content, are being popularized in that village along with technology backup.
- Opening of vegetable sale counter at ATIC building to ensure the availability of fresh and quality vegetables to citizens of Kanpur.

Blood donation camp orginized by the University

Food & food packets distribution by Hon'ble Vice Chancellor during Lock down

सीएसए की कैंटीन में बने भोजन श्रमिक परिवार को बांटा गया

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर में शनिवार को मीडिया प्रभारी खलील खान ने बताया कुलपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने आटा व सब्जी विश्वविद्यालय परिसर में रह रहे कामगार परिवारों एवं प्रक्षेत्र के श्रमिकों को उपलब्ध कराई गई।कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने कहा कि वैसे तो विश्वविद्यालय परिसर में श्रमिक कैंटीन चल रही है जिसमें लगातार श्रमिकों एवं उनके परिवारी जनों को भोजन कराया जा रहा है।परंतु श्रमिकों के घर पर हमेशा आटा व सब्जी बना रहे जिससे उन्हें लॉक डाउन जैसी स्थिति का एहसास ना हो। इसलिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक श्रमिक परिवारों को आटा - सब्जी दिया जाए। सहायक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ अनिल सचान ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोनावायरस के संभावित खतरे को लेकर सोशल डिस्टेंस बनाने के लिए 21 दिनों का देश में लॉक डाउन है। ऐसी परिस्थिति में दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब तबके के लोगों के सामने कोई समस्या ना आए इसलिए खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है।इस अवसर पर डॉ विजय यादव, डॉक्टर एच पी सिंह, डॉक्टर आरपी सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

आज

कानपुर, 4 अप्रैल 2020 11

महानगर सार

सीएसए की कैंटीन में रोज भोजन करेंगे 70-80 श्रमिक

श्रमिक कैंटीन में मजदूरों को खाना देते कुलपति व शिक्षक।

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने आज से सीएसए श्रमिक कैंटीन का शुभारंभ किया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित नरेंद्र मोहन मेमोरियल डाइनिंग हाल में श्रमिक कैंटीन में 70 से 80 दिहाड़ी मजदूर परिवार के लोगों को भोजन कराया जाएगा। सीएसए के कुलपति ने बताया कि कैंपस में निर्माणधीन कार्यों में ठेकेदार के अंडर में लगे श्रमिक छत्तीगढ़, मध्य प्रदेश और झारखण्ड में अपने घरों में लॉकडाउन के चलते घर वापस नहीं जा सके। ऐसे श्रमिक परिवारों को रोजाना भोजन के पैकेट बांटा जा रहा है। अब विवि कैंपस स्थित कैंटीन से 70-80 की संख्या में श्रमिकों को लॉकडाउन की अवधि तक बराबर भोजन मिलेगा। अधिष्ठाता छाल कल्याण डा. आर.पी. सिंह, मेस कर्मचारी गोस्वामी, विजय द्वारा सभी श्रमिकों को भोजन कराये जाने की जिम्मेदारी होगी। इस दौरान डा. सी.बी. गंगवार, डा. एच.पी. सिंह, डा. आर.पी. व्यास, डा. अजय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कानपुर महानगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं औद्योगिक विश्वविद्यालर परिसर में सैनिटाइजर का छिड़काव किया गय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में मीडिया प्रभारी खलील खान ने बताया के कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने विश्वविद्यालय को कोरोना वायरस से बचाव के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों /शिक्षकों/ वैज्ञानिकों /कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि यदि उनके बच्चे विदेश में पढ़ रहे हैं तथा उनका कानपुर में आगमन माह फरवरी-मार्च के महीने में हुआ है तो वे अपने बच्चों का कोरोना वायरस परीक्षण अवश्य करा लें। जिससे स्वयं एवं परिवार के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य स्टाफ भी स्वस्थ रह सकें इसके साथ ही साथ विश्वविद्यालय परिसर में आने वाले सभी मॉर्निंग वाकर से सहयोग की अपेक्षा की है कि अग्रिम आदेशों तक विश्वविद्यालय परिसर में घूमना प्रतिबंधित कर दिया गया है जिससे विश्वविद्यालय प्रांगण में कोरोनावायरस कोविड (19) के संक्रमण को रोका जा सके इसके अतिरिक्त कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने सभी स्टाफ से कहा है कि दिनांक 22 मार्च को प्रातः 7:00 से रात्रि 9:00 तक जनता कर्फ्यू का पालन करें तथा जनता कर्फ्यू के बारे में अपने पड़ोसियों व पारिवारिक लोगों को जागरूक करें यह जनभागीदारी देश,आपके एवं आपके परिवार के लिए आवश्यक है जो कि कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए सहायक सिद्ध होगा।इसके साथ ही साथ आज पूरे विश्वविद्यालय परिसर में सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया जिससे कोरोनावायरस से बचा जा सके व सुरक्षित रहें। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ आरपी सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत छात्रावासों को खाली करा लिया गया है तथा छात्रों को सुरक्षित अपने-अपने घर भेज दिया गया है विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं मानीटरिंग डॉ करम हुसैन ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष आवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त प्रत्येक दिन कार्यालय में 50% उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। शेष 50% कार्मिक घर पर मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक साधनों से कार्यालय संपर्क में रहेंगे तथा आवश्य पड़ने पर कार्यालय बुलाया जा तथा बिना पूर्व अनुमति के कार्मिक मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। आदेश आगामी 4 अप्रैल तक रहेगा।

Adoption Ceremoney of Anooppur Village, Kanpur Dehat

Inauguration of Vegetable Sale Counter at ATIC Building, CSAU Campus